भ्रमण आख्या जनपद.–अलीगढ

डा0 अनिल कुमार वर्मा, महाप्रबंधक (बाल स्वास्थ्य), डा0 जर्नादन बाबू, संयुक्त निदेशक, श्री सौरभ तिवारी, तकनीकी सलाहकार, (आर0के0एस0के0) एवं मो0 इलयास, कार्यक्रम समन्वयक–नियोजन अनुभाग की टीम द्वारा के जनपद अलीगढ का दिनांक 24 से 26 अगस्त 2017 में भ्रमण किया गया। जनपद में अनुश्रवण के दौरान निम्न महत्वपूर्ण बिन्दु प्रकाश में आये। इनका इकाईवार विवरण निम्न है।

स्वास्थ्य इकाई	अनुपालन / कार्यवाही की समय सीमा
♦ गौतम मोहनलाल राजकीय महिला चिकित्सालय, जनपद अलीगढ़–	
• जिला महिला चिकित्सालय में डा0 गीता प्रधान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के पद पर तैनात हैं। टीम के सदस्यों द्वारा सर्वप्रथम महिला चिकित्सालय में संचालित एस0एन0सी0यू0 का पर्यवेक्षण किया गया। एस0एन0सी0यू0 में धमेन्द्र, स्टाफ नर्स, तैनात हैं। धमेन्द्र को जानकारी का अभाव पाया गया। उनके प्रशिक्षण की आवश्यकता है। महाप्रबंधक, बाल स्वास्थ्य द्वारा आगामी प्रशिक्षण में श्री धमेन्द्र के नाम की संस्तुति की गई।	एस0एन0सी0यू0 प्रभारी द्वारा अगले प्रशिक्षण में नामित हेतु अग्रेत्तर कार्यवाही की जायेगी।
• चिकित्सालय में जुलाई माह में कुल 892 प्रसव सेवा हुये, जिसमें से 29 सिजेरियन प्रसव किया गये हैं। कुल 892 प्रसव में से 885 जीवित जन्म एवं 7 स्टिल बर्थ को जन्म दिया गया, जिसमें 5 फ्रेश एवं 2 मैसरेटेड थे।	
• 05 स्टाफ नर्स एस0एन0सी0यू0 में तैनात पायी गयी। एस0एन0सी0यू0 में Colour Codded Bins पायी गयी किन्तु स्टाफ नर्सों / आशाओं को उसके प्रयोग की जानकारी नही थी जबकि उनके समक्ष विवरण सहित चार्ट दीवार में लगा पाया गया। महाप्रबंधक, बाल स्वास्थ्य द्वारा स्टाफ नर्सो एवं आया से उसे पढाया गया तथा उसके प्रयोग के बारे में बताया गया।	
• एस0एन0सी0यू0 में 02 फोटोथेरेपी मशीन एवं 04 रेडियन्ट वार्मर अक्रियाशील थे।	
• एस0एन0सी0यू0 वार्ड में आई0ई0सी0 सामग्री की कमी पायी गयी। इस संबंध में जानकारी दी गई कि सफाई के कारण आई0ई0सी0 सामग्री हटाये गये है तथा नये लगाये जाने है।	
• कंगारू मदर केयर जिस कमरे में संचालित पाया गया उसमें जगह बहुत कम पायी गयी। इस संबंध में उपस्थित प्रभारी बाल रोग विशेषज्ञ एस0एन0सी0यू0 से मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से वार्ता कर, अन्य उचित स्थान पर हस्तारित कर इकाई को संचालित करने हेतु निर्देशित किया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षका हेतु हस्तांतरण के लिये अग्रेत्तर कार्यवाही अपेक्षित।
• चिकित्सालय में जगह की कमी है। चिकित्सालय की इमारत के निकट नई इमारत का निर्माण हो गया है किन्तु अभी क्रियाशील नही है। उक्त बिल्डींग को तत्काल क्रियाशील करने की आवश्यकता है।	

- लेबर रूम में बहुत गंदी अवस्था में पाया गया। लेबर रूम में अभिलेख अद्यतन नही पाये गये। वहां तैनात चिकित्सक को जानकारी का अभाव पाया गया। ओ0टी0 में 7 ट्रे नहीं पायी गयीं और न ही चिकित्सक महोदया को उसकी जानकारी थी। एक ट्रे में समस्त इन्जेक्शन भरे हुये थे और उस ट्रे में कडवें तेल की शीशी भी रखी हुई थी।
- लेबर रूम में टेबल पर मैट्रस नही पायी गयी एवं बेहद गंदी अवस्था में प्रयोग की जा रही थी। टेबल के मध्य पर्दे लगे पाये गये किन्तु वह फटे एवं हुक टूटे हुये थे।
- जिला महिला चिकित्सालय परिसर में 7 एम्बूलेंस 102 एम्बूलेंस खडी पाई गई। एम्बूलेंस संख्या UP 32 G 2733 के चालक एवं ई0एम0टी0 से वार्ता पर ज्ञात हुआ कि उनको एम्बूलेंस में रखी दवाओं के बारे में अधिक जानकारी नहीं है। कुल 14 व्यक्ति तैनात है किन्तु उनके रहने हेतु पर्याप्त स्थान नहीं है। यद्यपित पाइलट को प्रशिक्षण दिया जा चुका है किन्तु उसको दवाओं के बारे में समुचित जानकारी नही थी।
- लेबर रूम रजिस्टर पूर्ण रूप से नहीं भरा जा रहा था।
- प्रभारी एस0एन0सी0यू0 द्वारा बताया गया कि चिकित्यालय में स्त्री रोग विशेषज्ञों की कमी है। जिसके कारण सेवाएं प्रदान करने में परेशानी होती है।
- चिकित्सालय में परिवार नियोजन अर्श परामर्शदाता तैनात है। भ्रमण के दिनांक अर्श क्लीनिक बंद पायी गयी और बताया गया कि श्रीमती विनय यादव, अर्श परामर्शदाता प्रशिक्षण प्राप्त करने गई है। 02 परिवार नियोजन परामर्शदाता नियुक्त है। दिनांक 1 जुलाई से 31 जुलाई 2017 के मध्य श्रीमती पारूल, परिवार नियोजन परामर्शदाता द्वारा 250 मरीजों को परामर्श प्रदान किया गया जिसके परिणामस्वरूप पी0पी0आई0यू0सी0डी0 22 एवं आई0यू0सी0डी0 (इंटरवल) के 19 मरीजों ने लगवाया एवं सुश्री अंजम, परिवार नियोजन परामर्शदाता मरीजों को भ्रमण दौरान परामर्श प्रदान करती पायी गयी। सुश्री अंजम के परामर्श के परिणामस्वरूप अगस्त 2017 में कुल 22 IUCD] 2 LTO एवं 07 IUCD किया गया था।

ए0सी0एम0ओ0 तथ
प्रभारी अधिकारी से
तत्काल अग्रेत्तर
कार्यवाही हेतु कहा गया।

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ए.एन.एम.टी.एस., जनपद अलीगढ़	
• ए0सी0एम0ओ0 एवं प्रभारी अधिकारी द्वारा बताया गया कि तीन दिन पूर्व प्रसव इकाई को स्थापित कर क्रियाशील करने हेतु अन्य सामान मुख्य चिकित्साधिकारी स्तर से उपलब्ध कराये गये है। • नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सरकारी भवन में संचालित है तथा पर्याप्त स्थान उपलब्ध है। • नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में ओ0पी0डी0 का समय नही अंकित था। • स्वास्थ्य केन्द्र पर 01 नियमित सेवा से चिकित्सक, 01 स्टाफ नर्स, 03 एच0वी0 एवं 01 वार्ड अटेन्डन्ट तैनात है। निरीक्षण के समय नियमित सेवा की चिकित्सक डा0 हेरा सीराज उपस्थित थी। • नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की भ्रमण तिथि को ओ0पी0डी0 67 एवं एक दिन पूर्व की 100 मरीज की पायी गयी। • नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर एन0बी0सी0सी0 यूनिट स्थापित कराने की आवश्यकता है। केन्द्र में Colour Coded Bins उपलब्ध नहीं थे। भ्रमण दिनांक तक केन्द्र पर आंगनवाडी कार्यकत्रियों द्वारा आई0एफ0एच0एस0	प्रभारी चिकित्साधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक के साथ 7 कार्यदिवस में कमियों का निराकरण कर राज्य स्तर पर सूचित करेगें।

प्रपत्र भर कर नही उपलब्ध कराये गये थे।

- समस्त अभिलेख अलमारी में बंद पाये गये और उसकी चाबी वहां उपलब्ध नही पायी गयी जिसके कारण अभिलेख नही प्रस्तुत किये गये।
- चिकित्सक द्वारा बताया गया कि कन्टिन्जन्सी द्वारा एन0एच0एम0 से मात्र रू0 7000 उपलब्ध कराये गये जिससे फर्निचर क्रय करना सम्भव नही है।
- राज्य स्तर से प्रेषित दिशा निर्देश के अनुसार आई0ई0सी0 प्रदर्शित नहीं की गयी है।
- केन्द्र में मरीजों को देखने हेतु कमरे की खिडकी में पर्दे आदि लगवाने की एवं बैड पर चादर बिछाने की आवश्यकता है।

कोल्ड चेन – नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ए.एन.एम.टी.एस., जनपद अलीगढ़

- नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के परिसर में कोल्ड चेन स्थापित पाया गया।
- कोल्ड चेन की इमारत जर्जर पायी गयी एवं इमारत में पानी भरा हुआ पाया गया। इमारत में सफाई नही की जाती है और बेहद गंदी अवस्था में संचालित है।
- कोल्ड चेन से सम्बन्धित दिवालों पर पोस्टर आदि लगे पाये गये किन्तु वहां के कर्मचारियों में ज्ञान का अभाव पाया गया। सम्बन्धित कर्मचारियों को प्रशिक्षण की आवश्यकता है। मानकानुसार टीके डीप फ्रिजर में नही रखे पाये गये।

ए0सी0एम0ओ0 अपने स्तर से सम्बन्धित को निर्देशित कर कमियों को दूर करवायें।

♦ प0 दीन दयाल उपाध्याय संयुक्त चिकित्सालय, जनपद अलीगढ़–	
• टीम द्वारा सुंयुक्त चिकित्सालय का भ्रमण किया गया। • चिकित्सालय मे साफ–सफाई की वयवस्था संतोषजनक थी। • चिकित्सालय में हर्वल गार्डन संचालित किया जा रहा था। • चिकित्सालय में प्रत्येक माह औसतन 180 से 200 सामान्य प्रसव कराये जाते हैं, यू0एच0एस0एस0पी0 के माध्यम से एक स्त्री रोग विशेषज्ञ तथा निश्चेतक भी उपलब्ध भी सविंदा पर उबलब्ध कराय गये है। परन्तु सिजेरियन प्रसव की सेवा उपलब्ध नहीं करायी जा रही थी। • चिकित्सालय में सम्पूर्णा क्लीनिक कियाशील है, जिसमें दो स्टाफ नर्स एंव एक चिकित्सक के पद स्वीकृत है, भ्रमण के दौरा दो स्टाफ नर्स द्वारा सेवाएं प्रदान की जा रही थीं, चिकित्सक का पद रिक्त हैं। सी0एम0एस0 द्वारा बताय गया कि चिकित्सक की भर्ती के प्रयास चल रहें और शीध्र ही चयन कर लिया जायेगा। • चिकित्सालय के परिसर में ही नॉन कम्यूनिकेबल डिस्सीज क्लीनिक (एन0सी0डी0) का संचालन किया जा रहा है। जहां एक चिकित्सक, दो स्टाफ नर्स एवं एक परामर्शदाता कार्य करते हुए पाये गये। प्रत्येक दिवस में औसतन 130–150 रोगियों को सेवाएं प्रदान जातीं है। भ्रमण के दौरान यह अनुभव किया गया कि क्लीनिक की टीम द्वारा सामान्य ओ0पी0डी0 की सेवाएं प्रदान की जा रही है। इस सम्बंध में सी0एम0एस0 से आग्रह किया गया कि वह इस टीम द्वारा सिर्फ नॉन कम्यूनिकेबल डिस्सीज क्लीनिक की दिशा निर्देशों अनुसार कार्य लिया जाय। • महाप्रबन्धक द्वारा यह सुझाव दिया गया कि चिकित्सालय में लगभग 200 प्रसव होतें हैं। अर्थात शिशुओं की सुरक्षा एंव बेहतर स्वास्थ्य हेतु एक एन0बी0एस0यू0 यूनिट स्थापित की जानी चाहिए। इस हेतु आगामी वर्ष की जनपद कार्ययोजना में एन0बी0एस0यू0 यूनिट का प्रस्ताव सम्मिलित करा लिया जाय।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं जिला कार्यकम प्रबंधक अग्रेत्तर कार्यवाही अपेक्षित।
♦ मलखान सिंह जिला चिकित्सालय, जनपद अलीगढ़–	
• इजरजेंसी सेवाएं सुचारू रूप से प्रदान की जा रही थी। • ब्लड बैंक सुचारू रूप से संचालित थी। • मोबाईल ब्लड कलेक्शन इकाई का शुभारम्भ टीम की उपस्थिति में किया गया। • सी0एम0एस0 द्वारा अवगत कराया गया कि मॉडयूलर ओ0टी0 की स्थापना का कार्य रूका हुआ है। राज्य स्तर से हस्तक्षेप किये जाने की आवश्यकता है। • सी0एम0एस0 द्वारा आग्रह किया गया कि मानकानुसार विशेषज्ञ उपलब्ध कराये जाय। • पैथोलॉजी लैब में आवश्यकतानुसार समस्त जॉच की जा रही थीं।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं जिला कार्यकम प्रबंधक अग्रेत्तर कार्यवाही अपेक्षित।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अण्डला, जनपद अलीगढ़

- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सरकारी भवन में संचालित है, जोकि गांव से दूर होने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से अति सवेंदनशील हैं तथा वहां तक पहुचने के संकेतक लगवाने की आवश्यकता है। भवन के खिडकी के शीशे तथा कमरों के दरवाजे टूटे हुए थे। भ्रमण के समय प्रभारी चिकित्साधिकारी डा0 शमीम अख्तर खान उपस्थित थे।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक चिकित्सक, 01 फार्मसिस्ट, 01 बी0एच0डब्लू, 01 लैब सहायक एवं 01 वार्ड ब्याय तैनात है। डा0 शमीम अख्तर खान तैनात है एवं प्रतिदिन लगभग 80–90 मरीज देखे जा रहे है। माह अगस्त में कुल ओ0पी0डी0 1464 पायी गयी। श्रीमती शाहमीम आरा, बी0एच0डब्लू0 एस0बी0ए0,एवं आर0के0एस0के0 प्रशिक्षण प्राप्त है।
- केन्द्र में बिजली का कनेक्शन नहीं है।
- आवश्यक औषधियां केन्द्र में उपलब्ध थी।
- चिकित्सा इकाई में बायोमेडिकल वेस्ट की व्यवस्था नहीं पायी गयीं।
- चिकित्सा इकाई पर प्रसव सेवा प्रदान नही की जा रही हैं।

मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा अपेक्षित।

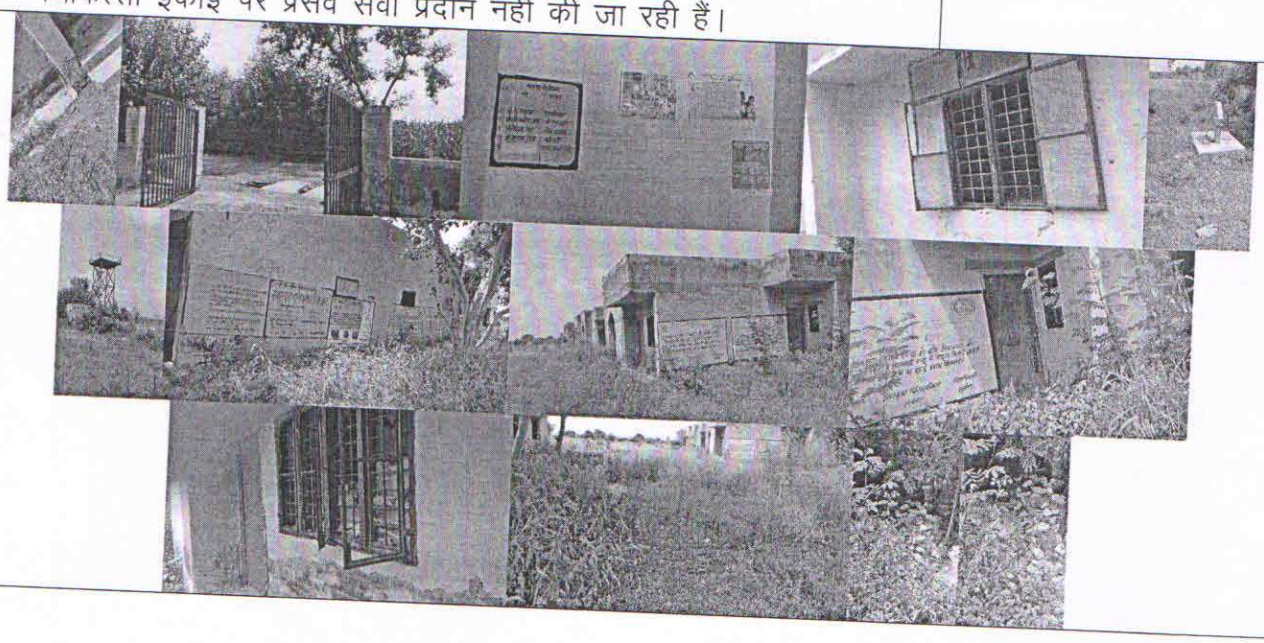

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खैर, जनपद अलीगढ़

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में डा0 राहुल शर्मा प्रभारी चिकित्सक तैनात थे एवं केन्द्र में 2 चिकित्सक, 6 स्टाफ नर्स एवं 22 ए0एन0एम0 तैनात है। केन्द्र के अन्तर्गत 33 उपकेन्द्र, 27 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं 2 ए0पी0एच0सी0 आते है।
- रिकार्ड अनुसार प्रसूताएं 24–48 घण्टे स्वास्थ्य इकाई पर रूक कर रहीं हैं। भ्रमण के दौरान भी 15 प्रसूताएं उपस्थित थीं।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सरकारी भवन में संचालित है, भवन का रख–रखाव अच्छा है।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर Colour Codded Bins उपलब्ध नहीं थे। बायोमेडिकल वेस्ट की व्यवस्था नही पायी गयी, परिसर की दीवार के निकट कूडे का ढेर जमा पाया गया।
- दीवार लेखन एवं आई.ई.सी. सामग्री समुचित पायी गयी किन्तु परिसर में यहां वहां गाड़ियां खडी हुई पायी गयी। टीम द्वारा किसी व्यक्ति को इस हेतु तैनात करने को कहा गया जो गाड़ियों को पंक्तिबंद तरीके से लगवायें, ताकि मरीजो को असुविधा न हों।
- वार्ड में लगे हुये अधिकांश पंखे खराब अवस्था में पाये गये।
- वार्ड में टीम द्वारा पूछने पर ज्ञात हुआ कि 8 मरीजो में 6 मरीजो को 102 एम्बूलेन्स की जानकारी तक नही है। मरीजों से वार्ता करने पर ज्ञात हुआ कि गांव भरसी लोधा में श्रीमती निरशा, आशा तैनात है किन्तु आशा गांव में आती तक नही है एवं भरसी गांव में किसी भी मरीज को 102/108 की जानकारी नही है। श्रीमती शीला, मरीज पति श्री बंटी को भी 102 की जानकारी न होने के कारण अपने वाहन से चिकित्सालय में आयी थी।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मरीजो को जे0एस0एस0के0 के अन्तर्गत भोजन दिया जाता है। भर्ती मरीजो से पूछने पर ज्ञात हुआ कि दिन मे दाल, रोटी, दलिया, 2 सब्जी, ब्रेड एवं केला आदि दिया जाता है किन्तु उक्त के अभिलेख नही अद्यतन पाये गये।
- टीम द्वारा आर0बी0एस0के0 टीम कार्य का निरीक्षण भी किया गया। खैर सी0एच0सी0 पर दो टीमें तैनात हैं, टीम में सभी सदस्य कार्यरत हैं। भ्रमण के दौरान टीम द्वारा वर्कप्लान के अनुसार कार्य किया जा रहा था। दोनों टीमों द्वारा पूर्व नियोजित कार्य अनुसार ही स्कूल/आंगनबाडी केन्द्र का भ्रमण कर 76 एवं 55 बच्चों को स्क्रीन किया जो कि उनके रजिस्टर पर अंकित था। टीम ने 4 बच्चों चिन्हित किया जो कि रोग से ग्रसित थें,

प्रभारी चिकित्साधिकारी से अग्रेत्तर कार्यवाही की अपेक्षा।

No discussion with patients.

जिनको चिकित्सालय भ्रमण करने के लिए परामर्श भी किया गया। भ्रमण के दौरान दोनों टीम एक ही वाहन का प्रयोग कर रहीं थीं।

- ब्लड स्टोरेज यूनिट संचालित नहीं थी, दो लैब टेक्निशियन तथा एक लैब असिस्टेन्ट कार्यरत है।

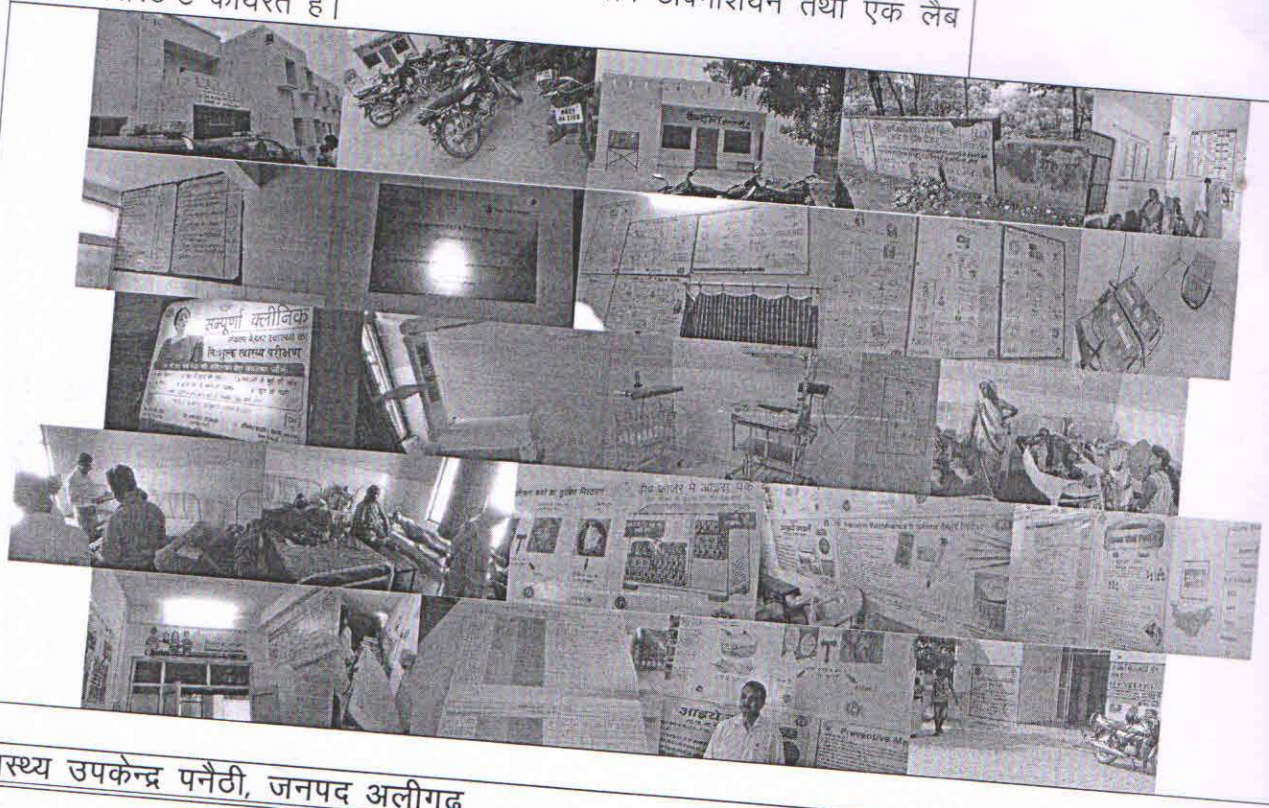

स्वास्थ्य उपकेन्द्र पनैठी, जनपद अलीगढ़

- टीम द्वारा उपकेन्द्र– पनैठी का भ्रमण किया गया। उपकेन्द्र पर तैनात श्रीमती महिमा सिंह, स्टाफ नर्स उपस्थित मिली। श्रीमती महिमा सिंह ने बताया कि ए0एन0एम0 (श्रीमती शशि प्रभा) एवं एच0वी0 द्वारा ग्राम–पनैठी, धनीपुर में वी0एच0एन0डी0 / टीकाकरण का आयोजन किया जा रहा था।
- उपकेन्द्र से सम्बद्ध डा0 एस0सी0गुप्ता, चिकित्सक उपस्थित नहीं पाये गये। ज्ञात हुआ कि उनके द्वारा कोई भी सूचना उपकेन्द्र पर नही है, जानकारी पर बताया गया कि डा0 गुप्ता विगत् दो माह से उपकेन्द्र पर नही आ रहे है परन्तु उपस्थिति पंजिका में भ्रमण की तिथि से पूर्व में हस्ताक्षर किये गये थे।
- उपकेन्द्र में वयस्को हेतु एक वेइंग मशीन है किन्तु कियाशील नही है एवं समस्त औषधियां एवं अन्य उपकरण ए0एन0एम0 के पास है जो टीकाकरण सत्र कराने गई है। टीम द्वारा बुलाये जाने पर टीकाकरण सत्र से मात्र

मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं ए0सी0एम0ओ0 से 1 माह के भीतर प्रभारी चिकित्साधिकारी के विरूद्व अग्रेत्तर कार्यवाही की अपेक्षा।

एच0वी0 आई एवं उनके पास समुचित औषधियां एवं उपकरण नहीं थे। एच0वी0 द्वारा ज्ञात हुआ श्रीमती शशि प्रभा, ए0एन0एम0 अवकाश पर है किन्तु उनकी कोई भी लिखित सूचना उपलब्ध नही है।

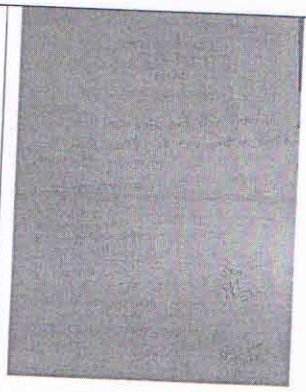

- उपकेन्द्र पर समुचित औषिध एवं उपकरण उपलब्ध नहीं है। उक्त हेतु श्रीमती महिमा सिंह द्वारा दिनांक 17.07.17 को चिकित्सा अधीक्षक के माध्यम से आवश्यक समान एवं उपकरण की मांग की गई थी किन्तु जनपद स्तर से कोई भी कार्यवाही नही की गई है। (पत्र की प्रति संलग्न)
- उपकेन्द्र में शौचालय कियाशील नही है। बिजली की व्यवस्था नहीं हैं, परिसर में कियाशील सरकारी हैण्डपम्प पाया गया किन्तु उपकेन्द्र में प्रकाश हेतु कोई वैकल्पिक व्यवस्था भी नहीं पाई गई।
- उपकेन्द्र में वित्तीय वर्ष 2017–18 में दिनांक 12.08.17 तक कुल 19 प्रसव कराये गये थे।
- उपकेन्द की इमारत खराब अवस्था में पायी गयी, जिससे कभी भी कोई अप्रिय घटना घटित होने की सम्भावना है। भ्रमण टीम के साथ डा0 भास्कर, ए0सी0एम0ओ0 को उक्त हेतु आवश्यक अग्रेत्तर कार्यवाही हेतु कहा गया।

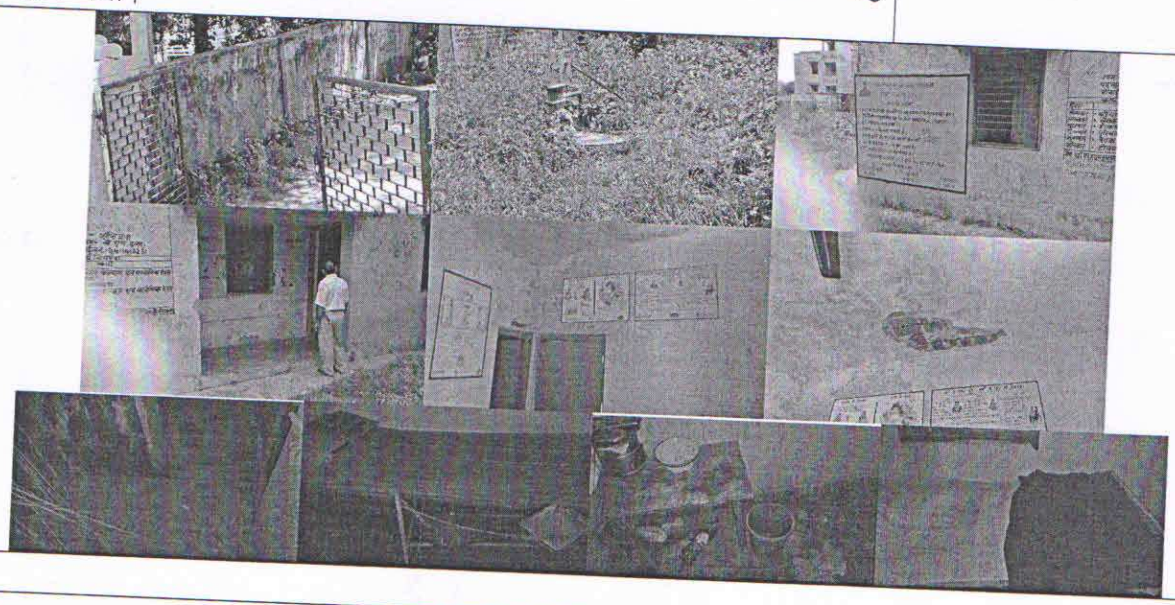

♦ वी0एच0एन0डी0 लाभार्थियों से सम्पर्क

- टीम द्वारा ग्राम–पनैठी, विकास खण्ड – धनीपुर में आयोजित वी0एच0एन0डी0 भ्रमण किया गया। सत्र पर हैल्थ विजिटर उपस्थित थीं, जोकि टीकाकरण में सहयोग प्रदान कर रही थी।

डी0सी0पी0एम0 से आगनवाडी कार्यकत्री के प्रशिक्षण हेतु अग्रेत्तर कार्यवाही अपेक्षित।

- टीकाकरण हेतु लक्षित लाभार्थीयों की सूची तैयार थी।
- एच0वी0 के रिकार्ड के अनुसार उसके क्षेत्र में सभी गर्भवती महिलाओं टी0टी0 लग चुका था।
- एच0वी0 के पास बी0पी0 मशीन, हीमोग्लोविन स्टिक, प्रेग्नेंसी किट आदि अपलब्ध थे लेकिन उसके द्वारा बी0पी0 और हीमोग्लोविन टेस्ट नहीं किये जा रहे थे और न ही कोई रिकार्ड नही रखा गया था। सत्र के दौरान आर0सी0एच0 रजिस्टर नहीं था।
- महाप्रबन्धक, बाल स्वास्थ्य द्वारा एच0वी0 को आइरन सिरप देने के सही तरीके को बताया गया तथा साथ ही निर्देशित किया गया कि जो औषधियां एवं वस्तुएं लाभार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही है उनके उपर लिखे अनुदेशों का ध्यान पूर्वक पढ़े। साथ ही भ्रमण टीम के साथ ए0सी0एम0ओ0 से उनके प्रशिक्षण दिलाने को कहा गया।
- आगनवाडी द्वारा पजिंरी का वितरण किया जा रहा था, परन्तु कुपोषित बच्चों की सूची एवं बॉडी मास इंडैक्स चार्ट नहीं था।

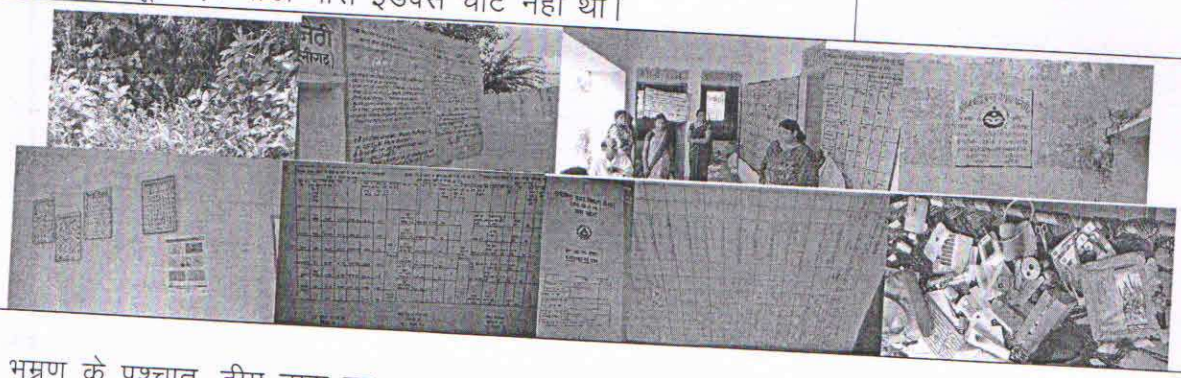

भम्रण के पश्चात, टीम द्वारा डा0 मदन लाल अग्रवाल, मुख्य चिकित्साधिकारी, अलीगढ के साथ बैठक कर फीडबैक दी गयी। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद में मानव संसाधन की बेहद कमी है। जिले में कुल 172 चिकित्सक पद स्वीकृत थें जिसमें 78 तैनात थे, जिसमें लगभग तीन वर्ष पूर्व 30 चिकित्सक छोड़कर जा चुके है एवं मात्र 48 चिकित्सक नियमित है, जिसमें 13 सी0एच0सी0 पर एवं 35 पी0एच0सी0 (उक्त 35 चिकित्सक में 31 आयुष चिकित्सक है) पर तैनात है। उक्त 48 चिकित्सक में भी 10 उच्च शिक्षा हेतु गये हुये है एवं शेष 38 से कार्य सम्पादित किया जा रहा है। (रिपोर्ट के साथ संलग्न) इस दौरान महाप्रबन्धक, बाल स्वास्थ्य द्वारा भ्रमण दौरान प्रकाश में आये समस्त बिन्दुओं पर मुख्यचिकित्साधिकारी के साथ चर्चा कर उनके निस्तारण हेतु समबिन्धत को निर्देशित कर कार्यवाही कराने का आग्रह किया गया। साथ ही यह सुझाव दिया गया कि जो कार्य जनपद स्तर से किये जा सकतें हैं उन्हें शीघ्र अति शीघ्र पूर्ण कर लिया जाय एवं जिन कार्यों में राज्य स्तर से सहयोग की आवश्यकता है, उन पर सम्बन्धित कार्यक्रम के महाप्रबन्धक/संयुक्त निदेशक के साथ समन्वय स्थापित करते हुये कार्य को पूर्ण करने हेतु अग्रिम कार्यवाही की जाये।

धन्यवाद

(डा0 अनिल कुमार वर्मा)
महाप्रबंधक

(डा0 जर्नादन बाबू)
संयुक्त निदेशक

(सौरभ तिवारी)
परामर्शदाता

(मो0 इलयास)
कार्यक्रम समन्वयक